26/2/19	पत्रावली पेश हुई। पी०ओ० साहब अन्य [illegible] में व्यस्त है। [illegible] पत्रा[illegible] दिनांक 5/3/19 को पेश हो।
5/3/19	पत्रावली पेश हुई। पी०ओ० साहब अन्य [illegible] व्यस्त है। अतः पत्राव[illegible] दिनांक 11/3/19 को पेश हो।
11/3/19	पत्रावली पेश [illegible] पी०ओ० साहब अन्य साक्ष्य [illegible] है। अतः पत्रावली [illegible] दिनांक 13/5/19 को पेश हो।
13/5	पत्रावली पेश हुई। पी०ओ० साहब [illegible] है। अतः [illegible] पूर्वानुसार [illegible] 14/5/19 को पेश हों।
14/5/19	पत्रावली पेश हुई वादीगण प्रतिवादीगण उपस्थित पक्षकारगण की ओर से प्रार्थना पत्र आदेश 23 नियम 1, 3 जा० दीवानी का पेश किया शामिल मिसल किया है। प्रार्थना पत्र अंकित किया है कि

07.06.2...
12041/2...
बताते हुए ...
देवी की शेट ...
फैसले से ...

फर्द अहकाम

[illegible] बनाम [illegible]

केस 232/[illegible]

या ...	आज्ञा विस्तृत रुप से	विशेष विवरण
	पक्षकारान ने सहमति दे दी है पर आपसी सीमाओं का निर्धारण कर लिया है इस कारण वादीगण अब वाद विड्रा कर रहे हैं वादीगण द्वारा वाद विड्रा किये जाकर वाद खारिज किया जाता है पत्रावली नियम अनुसार दाखिल दफ्तर की जावे। वाद खारिज दाखिल दफ्तर। [illegible] उप-खण्ड अधिकारी जयपुर (द्वितीय)	

Scanned by CamScanner